

91

838

I

१६॥ गहवाह्यनमः॥ ॥ उरुलागाला ३ शिकुडुगाला ३ कर्कशासिगाला १
कृमगाला १ सिधुविगाला १ तालिमगाला १ स्वहनगाला १ मधिगाला १ कृत्
किगाला १ नाविकेडावगाला १ ६०० मूनिगाला १ भूजसादगाला १ जीवगाला १
पारकगाला १ शवविनीगाला १ गजिगाला १ धवगाला १ कपूम् २ कष्टिभूहा २
कष्टितडा १ वाडा गुमिविन भूचपायकं धं क गजिसिल्ल १०१ धवतसिन्माल १
डा १ डावकष्टि १ नयभासा १ आया १ अग्निमदूया १ साखनडा १ नय १ मलपि १ नया १ इ १

क्रांति
इत्युक्तं

अनयमिरवागजमदुयामिसिख्यनाअनयकवाअसर्वविगगहनिवागयागरभाग
यांनासइयू॥ १ ॥ कामिल्वनवृद्धिला॥ सूकम्यावमंस४ मूसविभावा४ त्वस्व
वनीवा२ विदलिकंदुलीवा२ सानिमिठिलीवा२ नूनिमूसुकितीवा२ नडांगमंस
४ नउभातीवा४ ॥ ३ ॥ उयूसुभ्रनूपानदुइवृधजुलसांका मदु॥ २ ॥ मनभाविकगुति
का विदलिकंद मूसविभ्रवगंधसगावलिगुदयावसगुड॥ समलगाधनयानका
मदयूभ्रनूपानदुइ॥ ३ ॥ कंठाविमंस१२ अडदमंस२ ज्ञायदुलमंस३ आदनमंस२

कासं ५५

इ कामपधयतिइयू २

कामवधः

कस्तुविम्भः गुविचिनकस्तुसद्विविधकामवधगुविहला ॥ ४ ॥ अऊ
 भाउतावा २ अवरतावा २ विविमिषुतावा २ मूनतावा २ जीवतावा २ रु
 कजीवतावा २ सनवतावा २ पिपवितावा २ मूथितावा २ कस्तुतावा २ विर
 फतावा २ हिदतावा १ सखसखातावा २ सिद्धवितावा १४ व्यवितावा १४
 धरुता ३ सनवृक्ष्याना ३ पावकयाना मसिद्धिवृक्षुला ॥ ५ ॥ अऊमा
 उतावा १६ हिदतावा १ रुउतावा २ पिपिवतावा २ मूथितावा २ वा

अऊमा
 उतावा

अत्र
राशि
को

रामचन्द्र
दायक

युविदंगनावा २ स्वराहलनावा २ पागमविनावा २ ऊडमवावनावा २ धर्मना
गवर्धनावा ३ काथदास्यना ३ सर्ववायुनासकासनास अऊमादादिनाथु ३ ॥
हिदम ३ हननावा १ पिपनामनावा १ ऐकडुनावा ३ सिपिनावा १ गोसयं
नावा १ कसनावा १ जीवनावा १ अविनावा १ सिधुविनावा १ कविहनुनावा १
अवननावा १ पाललाययाकाथदायनामवर्धनायाकाथ ॥ १ ॥ ऐकडुना
वा ३ हिदलनावा ३ मुनिनावा १ स्वहननावा १ अविनावा १ कसना

महेश्वर
रक्त

गी. भू. ग.
पा. च. क.
सु. ति. का.

वा १ सिद्धविनाय १ गजिभावा ३ हूतनयं जीता क्वा कलंखसचूयजि
आथवा ॥ सवर्वाङ्गकनय रुवववृद्धिक्वाथ ॥ ६ ॥ डि क उ सिधु वि ह व
विहव रुह विरु क हा पिप वाम् अङ्ग भा उ वा सिखी ॐ नू नि सम रा ग क्वा
कलखसभां क रुह नादिषावक ॥ ७ ॥ पिपी पिप वामूल रुजि स्थधु वि
ॐ नू स्वरा रुव वि ह व मि क्वा सि सम रा ग क्वा थ दा स्थ भा न क्वा सु तिका या
क्वाथ ॥ १० ॥ ख उ वा या उा स पिपी म् १ विरु क हा म् १ हि क म् १

श्रुति

कुरु मं उगा पाव मं ४ ॐ मुनि मं ३ धनवर्धन्या नाडा का कलष संताड ध
विनय मरु व अग्नि मद्र्या किं स्व उं वा या किं थ उ म स व इ लो ॥ ११ ॥ अति सा
नया पखा नया उ म ठान गुड गु अक्रिय म सीहन अथि व्या न क म वा द पा खा
लु कुरु वीरु श्री खलु कुरु हा हा वि कन सम ता ग का थ दा स्प ता न क हि या भ्राम
या हि द थ उ म सा ॥ १२ ॥ वत त म का दि व न्त अति सा न या ॐ दु जी न या भ्र
ति वा स मो ध धो स्वां ना ग व मू क पा व पा ख वि ह व ध वि ख वा सि म न स क वि

अति सा

हि या भ्राम

रक्त श्रुति सा
र या

रक्तभूति

समरागकाथवक्तृभूमिमावयानासइयुता ॥ १३ ॥ ग्रहनियाभूति
सावयांगकि सुथि सिमनसधविद्यना ॐ म् व्याव अवधविस्वां जपुस्य
धविपिपीव्यवि समरागकाकिनि संतडाध डकि संतडा ताहि विद्वयमा
या ॥ १४ ॥ वक्तृभूमिमावया ॥ व्यावधाव इड मि सि सिमनस समरागन
यवक्तृभूमिमावया ॥ ॥ मिमायाहिडया ॥ १५ ॥ पखावयाभूमिमाव
या किहावकम सुकम्यावरूपकेडाव जयपडि मलवककता सिपिपील

ग्रहनिधा

मिमाया
हिधा

ओं त्वावजीनं पू उ ह्रासकि पने पू न ऊ म न ता विस क क स ॐ मू मा प
 मा व्या न ध विस क या ओ नान क सर्व श्रुति सा व या थ याना म ऊ ल धू न व
 र्क ॥ १७ ॥ व या धी ल क ला द्या कि जा कि ति क या नान क व क श्रुति सा
 व या मि सा या र ऊ स व ना या ना स इ य उ ॥ १८ ॥ कं ठा व म्मे ४ आ दि म्मे ४
 ऊ ता मा सि म्मे ४ ती य ख था म्मे ४ थ म्मे स म ला ग नि म्मे ४ वि वि न व
 ति १ पु मा न व १ न य स थ व द्धि सं धा क ल ख न की वृ ष श्रुति सा न

श्रुति सार
 ओ
 मि सा र
 स व धा

या ॥ १८ ॥ जिह्वाम् ३ जायपि ३ सकाम्यम् ३ हिदम् ३
पिपवाम् ३ सिमवाम् ३ नाविसम् ३ कृष्णाम् ३ व्याविम् ३
धोमिम् ३ काकलम् ३ आमम् ३ अतिमावयाहिदम् ॥ १९ ॥
वान् अतिमम् ३ मुक्कम् ३ व्यावम् ३ हनम् ३ कुरुवीजम् ३ कमनाम् ३ धनिस्वानम् ३ गुप्ताम्
स्थिम् ३ मनिम् ३ मलागम् ३ पुताम् ३ किमिनाम् ३ सिद्धाम् ३ भानम् ३ अतिमानम् ३
रत्नाम् ॥ २० ॥ कुरुयापापापकम् ३ ययापिथम् ३ इयमायापिपिप्याव

सर्वजोर
नास

कसुसाहनवाविसमहागकाथदास्यंनानहला॥ २१ ॥ वृधडावाएगमा
दनकसुधीलडु०००मिकुठाहाकाथदास्यंकापहसथास्यंनानकम्म०
निजकसर्वजालनासइयुडा॥ २२ ॥ जिदावयाअनयाहिदम्म०पिपि
म्म०३मववम्म०३००म्म०३यमसखावम्म०३ससिम्म०३स्पधविम्म०३व
रुयानाडाकाथदास्यंनानस्याकसुवनास॥ २३ ॥ अम्वववितहापिपि
हयउमववस्मणागवृरुयानाडाववसुतस्यंतावसर्वजालयाडुमल

मलः पिपिः सूथ ३ तव हनः गिह्व ल ३

तिद्रोश्च
याडीसा

कादिवृद्धः ॥ २४ ॥ शीखडुवक्रवडु ००० मिदावविनीकसुगमस
घंनुपकहावयलाजीवसमलगवृद्ध्यानाविनिमाखनरस्यंगानकसर्व
जीवइला ॥ २५ ॥ वासादिवृद्धिदोषयाडमस ॥ शिकडुशिहलाजीव
वडात्वावसाहनवंधावीवनकर्कणासि सुकम्यावडा जिह्वा पातक नूप
कहावइलालभवावकसुपुस्कनाम्वरुजिसमलगवृद्धः ॥ २६ ॥ वडु
एडपुस्कनामूलइनावंर पीपिकर्कणासि कहिडामानवकीडिदाव

॥ २७ ॥ पंचरुद्रपिपितृतांत्वाववंसमावनभुक्कम्यावसाधनसमसागकश्चि
 उभयानकविदावया ॥ २८ ॥ व्यानगाविससमसागकस्त्रिउभलजिउकाथ
 दस्यंजिवपिरुजालनाम ॥ २९ ॥ संखजालयाश्चनामकह्वदिकउभ
 जमादसिद्रुविव्यविसमसागवृद्ध्यानालखनेकावृयाउभानम ॥ ३० ॥ न
 इला ॥ ३० ॥ वृहत्वासादिवृद्धि ॥ आदहादिहलाजिवहकजीवसूकम्या
 वरुतांनृपकडावपीयंगुकसूतजपातवाववडावावनव्यावमववसूचि

वृहत्तकासा
 दि

५॥ कि०
या चि० कु०

विवि० सि० पु० हि० म० न० क० ता० वि० म० थ० न० स० म० ल० ग० क० हि० उ० म० न० व० क० जि० दा० ष० रु० ल०
या० उ० म० कि० उ० या० वि० क० या० ना० म० इ० य० ॥ ३१ ॥ आ० दि० ठा० वा० ठा० क० जि० ह० ला० जी० व०
ह० क० श्री० व० स० क० म० या० व० व० उ० द० न० प० क० ठा० प्री० य० न० दु० पि० य० ला० म० म० ल० क० न० क० या० न० स०
ग० ध० वा० व० ठा० वा० व० न० या० व० म० ल० व० स० थि० वा० यु० वि० द० न० भो० रा० ज० ता० वि० स्वा० थ० न०
स० म० ल० ग० व० ध० म० ना० उ० क० हि० व० वा० न० व० क० वा० न० पी० रु० या० स० य० म० या० प्र० या० स० वा०
उ० या० यि० क० या० थ० न० उ० उ० का० म० स्वा० स० ना० स० व० ह० न० वा० सा० दि० इ० ला० ॥ ३२ ॥

वृषिकविह्वलपिपलिरुल्लस्यथिसिन्धुसमसागधाथदास्यतानमन्दा
ग्निदुर्जालनास॥ ३३ ॥ धीग्वद्विप्रीयं गुभगुवपाद्वाजीवदुर्जीवग
सद्यंकस्यलाकुसहाश्रुवपिपिपिपवाम् इगादि विरक्तहाश्रुमाज
वदिस्ववमधुस्वायापावताविस्वागुग्गुग्वधाश्रुतिवसवदिबंठाभा
वनद्वरुवीयजालयाश्रुला॥ ३४ ॥ नाविसादिबुर्धु॥ नाविसमन्वपि
पविस्सथिसिपिविरक्तहापिपवाम् बंठाभावनसूकम्यावबुपकंठावपातक

समसागकष्टिआल अल पायधनक कामनास इयुआलिया ॥ ३५ ॥
तालिममं ३ वं सवीवन पिपिस्थ मलवजीर ०० म न यलावाल लतीवा
वरुव भव साख पु ३ तालिमा लिआलिया ॥ ३६ ॥ वृविकग्निआलियानय
मसाकया इला ३ क उलती सूकम्याव ६ गुव्यक ०० मी लतीवा व भूति
यसुतिस्वला वृपक ० व भूजभाउ विनिमृष्टाक १ साखर सपुननयमसा
कयाक पु माग ५ साख ॥ ॥ गजि सूकम्याव जीव मन्व वती लाव ०० मृव्य

विम्वप्रजभाउ समलगवर्ध्यानाउनयमयमसाकयाइला॥ ३१ ॥ हि
उमं ३ सकम्यावमं ३ सथिम ३ धर्तवर्ध्यानाउनकाकलखसतस्योता
नक भ्रानिदयुविकुसभ्रानिहिनथइला॥ ३२ ॥ एककुतावा १ वृषकेडा
वपातकयलानउनवाव समलगवर्ध्यानाउनयसासवतस्यंसमसाकाधिव
र्धगवमिइउयाअलयाइलाथउमस॥ ३३ ॥ अमिमइयाहिमं १ पिपि
मं ३ मलवम ३ वधानमं ३ व्यविमं ३ ॐ मं ३ हवमं ३ वितक

॥ स्म १ कृत्स्नं उवा उवाय माया कथा दाय ॥ ४० ॥ यत्तस्या कथानयन
सा कथा रुक्म उकि वृत् ०० मुनीनां अपि पीतावा १ मन्वन्तीनां १ स्थितावा १
स्य वितीनां १ दन्तीनां १ स्म ३ नयका कलखनकी वृत्तं तस्या कथा ॥
॥ ४१ ॥ हि विद्वत्तमाया मनथि उवा वसि मनस गुल्वा दहा मन्वन्ती
वृत्तं नमः गवी नमः ५५ नानक कस्मिन् नानक ५५ ॥ ४२ ॥ मनस कथा
ना २ दन्ति ग्वन्तीनां १ स्थितावा १ गजि रुक्म उवा १ मन्वन्तीनां १ वि

त्रितावा १ धनसमसागवृद्ध्यानां उक्ता कलषसंश्रुतिमावनात् ॥ ४३ ॥ पीप
त्रितावा १ पिपनामृतावा १ वितकसंधिः सिपि विहवसमसागवृद्ध्यानां पा
श्रुतिमं पुवि विनवयसिपुपायधनकनयकफयाभाभाया ॥ ४४ ॥ कटुया
स्वासयाताविमतिकउः सिपि वितकपिपनामृतावावसकम्याववृषकठान
पातकवसनीवनसमसागकटिबुनेकटुया ॥ ४५ ॥ वडाकमं ५ ऊंगिरुव
तावा १ खथाभावा २ विवाङ्गनास्वायारखवायातिमरुतविय ॥ कटुयापि

भा कया ॥ ४३ ॥ हिगाष्टक अथ अष्टा २ पिपितावा २ मल्लजिलक
सु विनकव्यावाधाय रघनावा मिषवि सिनू विव्य विध्व विस्वां ॐ नृ ॥ ग
सघं प्र १ हन अष्टा १ मापमा प्र २ व्यहन अष्टा १ गदिन अष्टा १ हिठ
मं ३ हिगाष्टक वरुनिगकनय ॥ ४५ ॥ पिपितादि अजिर्त्तवायया
जिकउ जिव ॐ नृ यला व्यावि सिनू विमावि हिठ काकलखमन
स्यमान ॥ ४६ ॥ मरुडीया हनतावा १ मथ पिपि सिधदि वा सिस्वा

मोवा ३ मं २ द्वा कलं ख स त स्यं ता क थ आ स इ ला ॥ ४८ ॥ अथि भा वा ४
हि ६ मं ३ भा व व वि मं ३ सि द्धा वि मं ३ थ नि वृ ध् याना आ द्वा कलं ख
स त स्यं ता न कं सर्व वा यु या ॥ ५० ॥ अ व पि पी भू मि व हा दू वा व रु स म
ता ग सा ष व वि क सि आ वा न कं अ म्ब व पी रु या ॥ ५१ ॥ य ला न आ नृ ष
क ठा व व सि या इ उ नृ ता य क म् पी यं उ ग्री ख ह पि पी थ नि स म हा ग
नि स्यं वि नि सा ष व आ क सि न दू वा आ न य कं रु पि रु आ वि डी या ना स

ॐ शाना मवयनादिर्वर्द्धला ॥ ५२ ॥ छिकडुगावा ३ पातकगावा ३
दुगवंगगावा १ ॐ हृमिगावा १ खडुमिगावा १ सुकम्पाव १ विनि
वक्तिर्यगवा उलपसकम्पागावा कश्चिनवृद्धिडावा कश्चिरुया ॥ ५३ ॥
छिहला ३ छिकडुम ३ कालेवा सगावा ३ निस्पंगुनिकादयक
नयसर्वपीरुयानासडावा ॥ ५४ ॥ खडुमिपिपीसथि मखडुवा
वरुपातक ॐ हृमि सुकम्पाव स्वाधन कश्चिवाडा नवावा कश्चि

रुद्र स्तुति

रुद्रा ॥ ५५ ॥ अश्वव अविनरु विनिमार्क कस्तिनव्या अनय अश्वव पि
रुनास ॥ ५६ ॥ प्रिहवा पिपनाम् आदिह रुकजीव समराग वृक्षाना
अकस्त्रिवा अनय विकृतास ॥ ५७ ॥ अश्वव पिहया प्रिहला म्मेन
हिम्मे ३ विविमिपुम्मे ३ वृषकठा वम्मे ३ पद्मावीजम्मे ३ जीवम्मे ३
ताविसम्मे ३ स्वरुनम्मे ३ रुद्रावावम्मे ३ वंठावावनम्मे ३ सारववपु
गुनिविन अश्व पूर्वोयवक गुनिनक ॥ ५८ ॥ स प्रखा वरु य ॥ ५९ ॥ प्रिह

स्य कथाया उल्ला उल्ला उल्ला हः दुवा नमं कम् समसाग वृक्ष दाम्
नखसगस्य काथ दाम् सान पिरुम्य सनाम ॥ ३९ ॥ पिरुन विरु
अअया धीख धुमा रुन कम् सवि उगु भाद ठी नडा त्वाव जिह्व
ल पिरिर्न न साखर समसाग लख सग स्यं तान पिरुन निरुडा
या ॥ ४० ॥ गुगु वृक्ष पिरुना विरुका विनि सिपु रुजि पिकु
जीन ०० नृक्ष विरुव पिरुला मू व्या हा सूक म्पा कम् सिधु वियम

मखादेवदाव विनिमाखनतामा ८ थवतपूनसर्ववाक्याउमसवडला
 ॥ ५१ ॥ वाक्यालेपडला ॥ मथितावा १ गुगुमं ३ आदिमं १ मिहि
 याक्षाथदायपायवाकनासडला ॥ ५२ ॥ जिह्वावतामा १ माडवता
 मा १ थमिवृत्त्यानासाधनसक्याउपान ३ गानकमिसायावऊखवा
 या ॥ ५३ ॥ मिसाहायाळीयगु जिह्वास्वमाखयव सदावुकागकिल
 वृयामिसकस्यंलाउंधलननिस्पवाय ॥ ५४ ॥ मिसाहायामद्रुकाउ

जिह्वला

नवभावा १ मृथभावा १ नसाऊनमं ३ लिलाथुकि मं ३ साधवप १
थरुपुन ॥ ३३ ॥ विखयभावा ८ हलभावा १ कलुवि मं ३ लिला
थुकि मं ३ कृयमाधुभावा १ यमन १ गवि विन गाल अनूपा नय नि
साहाया ॥ ३४ ॥ काथयउमस ॥ दिनवि मं ३ रुवग १ मववग १ गि
नककाथदास्यभावा १ कियनकाकजानयकइला ॥ ३५ ॥ सिखाइइ
वालीसइइ जाकिया पावन थरुनिना १ गवि विन नयकाथउमस

लविजयकयाकगलनया॥ ७८ ॥ अलमयापवकहावमहायानडांधव
 कष्टिववाडानकअलकवयाडामस॥ ७९ ॥ खयवमं २ मृदसिखमं १ ग
 जिहवकुमं २ कपुवमं ४ छिडकावा ४ धवदायडाथडामवनिनाकुय
 दायकमालकडयाहायगुमक्र॥ ८० ॥ वज्रस्ववायाडामस॥ श्रीहिसं ४
 हिगुव १ सुसुमिय १ जीव १ अशिवहा १ कापुकहिमगुविविनाडानव
 वज्रस्ववाया॥ ८१ ॥ सुतिकाजीलया॥ देवदावुकावा १ गडोपाव १ व्या

॥ ७९ ॥ १५५ ॥

हा १ कृत १ विपि १ सूचि १ कवसिद्धि १ खावू १ कंथकावि १ एम
 घाल १ गुडगु १ गजिपिपी १ थुनिसमसागवृद्धि १ यानाडीकाकले
 खसतस्यंमं १ गानर्क ॥ १२ ॥ मिखातजदयक कविहनुगा १ मिक्
 सिताना १ निहव १ मवव १ वायुविदंग १ सूचि १ कस १ हल १ व्या
 हा १ विरहा १ सिद्धवि १ समसागवृद्धि १ यानाडी १ घाल १ इड १ सुवि
 विन १ मलव १ मादान १ मिगस १ तस्यंगनक १ खाडल १ वस १ सूचि १ मिखास

मिखातेजदय
 के

मिखासड
 राजास

उल्लसिखाभोगनासा ॥ कुरुयिरुयाआलयाधरथि ॥ कुरु
आलयानस पिपीसुथिमलव लवमनिस्पंदामसथन ॥ सुथि
शोकन पिपिपिपलाम सिद्धविपुस्कवाम कस कुरुकिवाकधविष
वाखाव पवउव रुजि समतागवृक्ष्यानाम् ३ मककाकलखन कवय
निजावयाइजावयानासा ॥ अथ हलाकठी सुथिमलव पिपि
सगन्धक विष पावाहावउवयापु समतागवृक्ष्यानाओ पावृतिगुविवि

नवतिपत्रक नित्यजालनामसूच्य ॥ ॥ अथ ज्ञानां कूडा ॥ ॥ अऊ
पाव, विष, त्रिकूना, स्रहांग, यति, समवृद्ध, मासाप, प्रमान, गुठ, संग
धानू, अथवा घृत, संग घानू, परवाना, संग हनिजा, आम, सूबजा,
सर्वभोग निवान ॥ ॥ इति नवसिंहनाम जाला कूडा ॥ ॥ अऊ
पाल, पाभा, गंधक, स्रहांग, त्रिकूना, यति, समवृद्ध, नति २, प्रमान, घा
उसंग घानू, सर्वज्ञानजा ॥ ॥ इति सर्वभोगनाम ज्ञानां कूडा ॥ ॥

ॐ पावापावागन्धकसूहांगदुग्धयनिसमवृष्टिगविगविदं
निकानसमाधलानूवनि २ प्रमानगविषानू सर्वजीवजा ॥ ॐ
निमूत्रानिनामजीवांकुठ ॥ ॥ ॐ पालपालागन्धक सर्वदि
पवासूहांगयनिमितिहंगिवाजसमाधलानूवनि २ प्रमानवा
उसंगवानू अष्टप्रकावजीवजा ॥ ॥ ॐ नित्यं ववकुनामजीवां
कुठ ॥ ॥ ॐ पालपावागन्धकदुग्धरागहर्वाह्वयिति

समवृद्धिदंतिकावसमाषलानुवतिप्रमानवद्विषानुसर्वजीव
जा॥ ॥००॥ किमहं नुनामजीवाकूहा॥ ॥ अर्जुपालभूनिंदवीज
पिपनामवसूहांगयतिमिसिरुंगिवाऊवसमाषलानुवतिप्रमा
नषानुसर्वजीवजा॥ ॥ अर्जुनामजीवाकूहा॥ ॥ पालागंधक
इंगुवमायाकातावाविनापिपनिपिपलामूलपिहलायतिस्
मगविरुंगिवाऊवसमाषलगर्नुप्रह्व ४ तवमासा १ प्रमानवा

नूमादसंगवानू सर्वजीवजा ॥ ॥ रुतनाथनामजीवांकुठ ॥ ॥
ॐ तिसंभवति ॥ ॥ संघराय विषराय ३ सर्वराय २ सिद्धाविनस
माघलगनू वाति १ प्रमानघानू पतदृष्टी जा रागलाग सर्ववायुज
॥ ॥ अथलउंगस्यव ॥ जा ॐ रुल जा ॐ पति लउंग अली वि
सूथामव शो रु जिना मालका गुनि वरुण गंधुवावी ज रुअमी
अककवा हि विं जिदला आहिं न पिपला पिपला मूलक ग ॐ

इति सूत्र विज्ञापन
शास्त्रात्

उद्देश्येन विज्ञापन

विहिकदन्तसूठोयनिसमवर्धगर्न॥ ॥ अथदन्तसूत्रयाडि॥
हिनस्यांकांकिहालहलतयाकाथदायकाडिकूलायायमूव
भागनासइयूडा॥ ॥ अथपिनासनीयकाप्रतिकार॥ कविध
वपुषुकसहवउडयसिउकागुलवसनिनालेपनयाय॥ ॥
किंसियाहायलापिपीलाडिबक्तवठनकृत्तूवृथ्रतिनापद्य
नापायइइलिकंया॥ ॥

॥ कडुई भांग लाग ॥ कारुनकी वाक्ता ॥ वाशा ॥ कर्कई गी ॥ स्रथ
मन्त्रि ॥ पिपना ॥ दुनालंरु ॥ मृगिला ॥ भाथ्वा ॥ स्रनूपा नि ॥
दानविनि ॥ मऊपाग ॥ मृध्वन ॥ नागकईव ॥
॥ ऊरुल अंगमदिम लाग ॥ लअंग ॥ मृध्वन ॥ दावविनी ॥
तगव ॥ ग्रीखु ॥ मिल ॥ मिल कमल ॥ मृगन्धवान ॥ कंकाला ॥
गाँरुल ॥ पिपि ॥ स्रथ ॥ नागकईव ॥ वंसलावन ॥ हजि ॥
मिथी ॥ कईव ॥ नखा ॥ कयू ॥ लअंगमदिम लाग

॥ अरु वासादि समराग ॥ अमरा पलठा पसुधन पदानविनि प
जिह्वा पावसर्घ पभाध्या पधिर्यगु पकैवडा पतजयाग पनागकैठाव
जिह्वा निम्वथ पहरा पवर्ना पअडावा पदानविनी प धातिद्या राग
काश्मनिकैठाव पवंसभावनू पदानविनी ॥ नागकैठाव ॥ अययणी प
जिह्वा पलठा ॥ रुद्रमस्ता पसुकमल ॥ कडालगता ॥ अतिविद्या ॥
कर्कतासिंगि पमल ॥ मृथ ॥ हल पहरंश ॥ मायावति २ प्रमा
नमायापुड्डु सतस्यतांक ॥

वाल्मेय्या ॥ २ ॥ श्री ॥ श्री ॥

॥ विधि ॥ विधि पमाथ्या न कर्कशासि पभृतिविषय धाकलख मंत्र १ तया
नर्कनालसयाजा नमो श्री ॥ ८ ॥ जातिगदि नगतासि थामय इच्छु ॥ जिह्वा
वदिमूल पलउ ०० दुऊउ प थलकाधाना प आपकाकोया प नृपकिंशान प भृ
दि ॥ थूलिवाकं मिलिवाय मसि नृयामं १ पमान ॥ विविना धाकलषस
नयानर्क ॥ ॥ थलमासा प कलुविमासा १ भृदिमासा १ सुकमलमासा १
वसंभवायनमासा प कसवमासा १ थूलिवाकं ०० कागुनिपायचकि मन्वात
य नम १ नविदिन ४ ॥ नर्कनउलानितयानर्क ॥

॥ मिताहाया ॥ हिउ घास मं २ विखय मं १ नखि मं ४ नखनास कया
का कनिया वस खय गु विप्रमान गु विविन न कं पाकं जिउ मिताहाया नासा ॥
॥ मले १ पिपि १ लव १ दाव विनि १ ऊय पणि १ जिह १ मूथ १ ०० मू १ खवस्व १
हजि १ हल १ विहव १ ऊगिहव १ गाहा १ व्यवि १ ग्वानस भू नू पान ॥
॥ आलाया काला कृग ॥ धीखड मं ५ वसर्घ मं ५ नउ ॥ मं ५ जि मं ५ कसू मं ५ रूपकंग
वमं ५ घाकिगाकि वू ना ५ ॥ ॥ ऊउं काला कृग ॥ यांजिगा मं ५ खना मं ५
रूप मं ५ ५ ना मं ५ जि मं ५ वसर्घ मं ५ कसि क मं ५ घाकिगाकि गो ना ५

॥ गुर्गा विनिव पधनिथो पपझाक पवत्तवदुन सुगुर्विधाथसर्वजि। ल
॥ जा ०० पठि ० जिहो ० लंठा ० सुख ० मल ० यवि ० जि ० समला
गवृह्यानाडापानुतिसगुनिविन॥ ॥ पुनर्नवा पतवृ ॥ पस्महागवृह्यानाथरवस
गुनिविन ०० काप्रमान॥ ॥ मिताहाया॥ लसकपूलाग ३ षयललाग ३ कस्तुनिहाग ३ पोना
हालाग ३ सोधनमाना ४ लिलयाथलसतयाकउलिनरूपहसंमनियनकंजिआपायंजिआ
॥ ॥ मिताहाया॥ लसकपूनमं ३ लंठांकादूल २१ मलाव २१ जाकिव ४ थालिनिनागव १४ गु
निविनरघाउननयागवविचुगुनिनक॥ ॥ १ कृ सहा नता १ कए ता १ एषा स्रं नता १
आवा ता १ रं ता १ मल ता १ ता द्र ता ता १ उजीताली काय ॥ द्वाय द्वाता
वृत्ताताहृय कदाय का ता नक द्वाशा ०२ जातना हे ॥ ॥ ॥

२३ गंतासिमाखलाकु याग व ३ संस — १ कउ बु याग र सा संस — १ लसकपु सं १

२४ संस — २ लरुगा कु याग संस — १ विवता संस — २ थलिवना सा संस

(क) या थति या सा या ग गंरका पंथ सा हिथ कु कु इय द बु द्वा या थ वं जला ॥ त या लख कथा ३

२ यां द्वा या १ इय क द य का त या न न क सा ज १ थ ग ति सा डि उ सा ता ल् प ग १ ग त या या सा सा त म

१ सी त य द य क ग उ थ वं र ति या सा ल क व ल द्वा पां वा क थ नि लं कि ना ल् य या र लि त वा क र ल ति

प ल दि म द्वा स व ति । गं ल इ य य ३ ॥ ॥ वि हाः हाः क तः नि हः क वि ल

हाः ह तः ०० त काः य का थु ति स लो ण वु र् न या

०० थ य थ न स र्व क त ना स इ ०० ॥

[illegible]

प्रह्ला नात्मा १ उशील नात्मा १ नवांल नात्मा १ दध्याया का
ही नात्मा १ कीक्रीता नात्मा १ लंनक नात्मा १ वाश्वी द
ठा नात्मा १ जेनीवीर्य नात्मा १ प्रलहती नात्मा १ फन नात्मा
शीश्वी नात्मा १ हल नात्मा १ जडा नात्मा १ रुडा नात्मा
नात्मा १ ग्रीहता ~~नात्मा~~ १ १ गणर प्र ३। ग्रीहता सावा श
हाया शयात सकयाहर तीवीन कंरती प्रमान

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कञ्जलिहस्त १ लुङ्ग १ उकयकालाङ्ग १
वीवीङ्ग १ ककशिङ्गीङ्ग १ — वीङ्ग याङ्ग १ शठमङ्ग या
गङ्ग १ ५ तीसमलगवनिशा मं १ प्रशा नं कालद्वय
ज्ञान — ॥ ५ ॥ वं स हो च न तो हा १

वि कं व्या पाः उप च आ ति यु रु ह य ता आ रु क या क ला ठ ठा रु न
तो ता ह न्या न लो क द थ उप रु नि आ ठ ल व ता न वि व डानि ॥ ७ ॥ या वि
या न्या पा न क व रु ह य प ल स ल वा १ दू रू ठा १ क क ता ठा १ धा रू ठा १
पु ति मि ल मा नो तो क वि व डानि

५९

५९

५९

५९

५९

विष्णो यानपयसु ॥ अथि सधू लता १ ह्या ३ तद्या व लता १ क
प ह ल लता १ क स ह ल लता १ हि य प्र लता १ नि ह लता १ सि
लता १ हा सयिकं लता १ अथि य प्र लता १ सधू का हि यिकं
सका य सधू क या तं जि ॥ अ ह ल क त या यि २ ० स स गति
हा सं का य द्या हि लता १ पि ति सा या ना यु स ह या सं ह य
प्रान स न क या क का थ ह य ॥ क वि लता १ लता १ हि १ सि
रि यि १ सं १ अथि य र्न या सं १ व व ह लियु न द य क थ १ प्र स न
क क थ न व स न क क थ या त ३ ० ता य का ल य स ल ७ नि ह ल

२ आशा आशा लगर २ दा लवेनि — सं । सुद्रु मल — सं ।
री नवे — सं । हि ज्यथा — सं । आरु — सं । अति वनि सभलग
२ दा कडाग आ आ स ॥ १ हल — सं । सुद्रु मल — सं । कय हल हल
स — सं । अति वनि सभलग ॥ ते कडाग आ आ स लगर
ता कडु द्याव आते कया आ न लाला आ आ ग सं तं का या न
कडु रवि कल ना स ॥ हे ग ला के कयाव कया लगर हल
ववि — सं ॥ ॥ सुद्रु — सं । नरु — सं । सुद्रु — सं । हे क
आ ग — सं । जल — सं । अति सभला मग वनि

१ लीहि रुग्ग्या ३॥ २ वंश लावन - नाला १ केशलि - नाला १
नालावेनि - नाला १ यला नाला - नाला १ केशला - नाला १
वेनि सादय नाला २॥ ५॥ ५॥ वेनि - कादय लदय दाय कय यड
यजाकि रुग्ग्या ३॥ २ वंश लावन - नाला १ केशलि - नाला १

२॥ यला मसुन प्रग् ॥ २॥ यद रुग्ग्या

गहनि — १
 मनमोवक — २
 कामवधय — ३
 कामस्ववृक्ष — ४
 सिद्धिवृक्ष — ५
 अजमादादिधाथ — ६
 कामवृक्षधाथ — ७
 रुनववृक्षधाथ — ८

कल्यादिपावक — ९
 सुतिकाधाथ — १०
 स्वस्वडंवाया — ११
 अतिमानया — १२
 अतिमानया — १३
 गहनिअतिमानया — १४
 वक्तुअतिमानया — १५
 जनधनवृक्ष — १६
 वज्रस्ववाया — १७
 अतिमानया — १८
 अतिमानया — १९
 अतिमानया — २०
 पिथ्याइयमा — २१
 सर्वजावनास — २२
 निदाखया — २३
 कामवकादिवृक्ष — २४

सर्वआवया	२५	पतम्माकया	३४	सर्ववायुया	४३
वासादिवृक्ष	२६	हिखिखयमा	३५	अवनपिरुया	४४
मंदोनिइओव	२७	अमिसानया	३६	वयनादिवृक्ष	४५
ओवया	२८	कहया	३७	वातपिरुया	४६
गविसादिवृक्ष	२९	कहया	३८	सर्वपिरुया	४७
नयमसाकया	३०	कहया	३९	वातपिरुया	४८
अग्निदय	३१	हिगाष्टक	४०	विक्रनाम	४९
गवनिइओया	३२	विपेनादिवृक्ष	४१	पखाइवा	५०
अग्निमइया	३३	मंरुओया	४२		

पिरुस्यमया	५१	जुवकवया	३०
पिरुनेविकुडीया	५२	वैडीयामझ	३१
सर्ववागया	५३	वज्रस्यवाया	३२
वाक्यालप	५४	सुत्तिकाजीव,	३३
वज्रस्यवाया	५५	मिखाकजदय	३४
मिसाहायाहोयगु	५६	मिखावीग	३५
मिसाहायामझ	५७	कहजीवनम	३६
मिसाहाया	५८	जीवाकस	३७
कोथयउमस	५९		

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ २

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ ३

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ ४

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ ५

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ ६

ॐ नित्यमिह नाम आवां कृष्ण ॥ ७

आशा शरदाधि

४३४

६

ASHA ARCHIVES

२३ २ वीं पी नाना १ प्र न नाना २ रं नाना २ हा दु नाना ५
प्र न नाना १ धनी आ नाना १ आ २५ नाना १ कु प्र हा नाना १
ज प्री नाना ही का २ प्र रवा नाना १ वरु रवा नाना १ य फ दो प्र काः
नाना के ॥ ॥ नाना ३ नाना १ ॥ प्र ही व नाना १
र २५ नाना १ पी व नाना १ वी र का नाना १ ही २२ र
त्या का प्र २ प्री नाना १ प्र २५ नाना १ वान प्र २५ नाना १
नाना १ व व नाना १ नाना १ नाना १ नाना १ नाना १ नाना १